देखो नाव बनाकर खेले बचपन

देखो नाव बनाकर खेले बचपन

ऋतुओं की रानी, वर्षा का हुआ आगमन
देखो नाव बनाकर खेले बचपन,

नाचें बच्चे, नाचें दादी-नानी
देखो कैसा बरसा पानी,
गर्मी को टा-टा, बाय-बाय करने की बारी अब आयी है
बूंद-बूंद में बचपन की याद समाई है।

गिरी जब बूंदे जल की
हरियाली चारों ओर लहरायी है,
मिट्टी की सोंधी खुशबू से झूमे मन थिरके कदम
नाचे बूंद-बूंद में बचपन।

देखो पक्षी हुऐ हैं मस्त-मौला
जब बादलों ने खोला जल का झोला
उछल-उछल कर तैरे मीन, जल की रानी
देखो तालाब, नदियों में भर गया लबालब पानी।

लेकर गगरी दौड़े हर नारी
आ गया है नदियों में फिर पानी,
हवा फिर रह-रह लहराई
पूर्वा ने वर्षा की झड़ी लगाई।

मछली का जीवन हो रहा था खत्म
सूख रहे थे नदियां, तालाब, व वन,
झूमे है माटी का भी मन
सागर किनारे खेल रहा बचपन।

हवा ने ली फिर अंगड़ाई
पक्षियों की सुरीली आवाज ने गूंज फिर मचाई,
ऋतुओं की रानी, वर्षा का हुआ आगमन
देखो नाव बनाकर खेले बचपन।

ऋतुओं की रानी, वर्षा का हुआ आगमन
देखो नाव बनाकर खेले बचपन।।

डेंगू

पानी न होने दें कहीं जमा
यह है डेंगू की वजह,

पानी का करें संरक्षण
पर डेंगू के मच्छर का न होने दें उत्पन्न,

पानी का करें सृजन
लेकिन रखें ढककर ताकि रहें सब स्वस्थ आपके परिजन,

यदि पानी रहेगा साफ-सुथरा
नहीं आएंगी बीमारियां; डेंगू, हैजा व मोतीझरा

घर आंगन में न होने दें जल कहीं जमा
सभी को दें यही सलाह,

पानी को हमें बचाना होगा, साफ-सुथरा बनाना होगा
पानी से होने वाली बिमारियों को दूर भगाना होगा,

आस-पास के नाली-नाले रखें साफ-सुथरे
डालें इनमें दवाई हर हफ्ते,

टूटे-फूटे बरतनों, टायरों को न रखें खुले में
यही तो है पानी जमा होने की वजह,

करें घर में कूलर व गमलों की नियमित सफाई
यही तो है बिमारियों से एक लड़ाई।।

संपर्क करें:
अंकित सिंह राणा
शाहदरा, दिल्ली -110 032
मो.नं. 09718174082 ; ईमेल : maurya34@hotmail.com